Atomic Energy Central School-2, Mumbai
Subject- Hindi
Topic- अपठित गद्यांश

Handout
Module- 1/1
Madhu Sharma TGT (SS)

अपठित गद्यांश

Note- निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

संसार में सबसे मूल्यावान वस्तु समय है क्योंकि दुनिया की अधिकांश वस्तुओं को घटाया-बढ़ाया जा सकता है, पर समय का एक क्षण भी बढ़ा पाना व्यक्ति के बस में नहीं है। समय के बीत जाने पर व्यक्ति के पास पछतावे के अलावा कुछ नहीं होता। विद्यार्थी के लिए तो समय का और भी अधिक महत्त्व है। विद्यार्थी जीवन का उद्देश्य है शिक्षा प्राप्त करना। समय के उपयोग से ही शिक्षा प्राप्त की जा सकती है। जो विद्यार्थी अपना बहुमूल्य समय खेल-कूद, मौज-मस्ती तथा आलस्य में खो देते हैं वे जीवन भर पछताते रहते हैं, क्योंकि वे अच्छी शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं और जीवन में उन्नति नहीं कर पाते। मनुष्य का कर्तव्य है कि जो क्षण बीत गए हैं, उनकी चिंता करने के बजाय जो अब हमारे सामने हैं, उसका सदुपयोग करें।

प्रश्न

(क) समय को सबसे अमूल्य वस्तु क्यों कहा गया है?
(i) इसका एकक्षण भी घटाया-बढ़ाया नहीं जा सकता
(ii) सम्य व्यक्ति के वश में नहीं है।
(iii) समय ही व्यक्ति के जीवन को बदल सकता है
(iv) मनुष्य उस समय की गति को नहीं रोक सकता

(ख) विद्यार्थी जीवन का उद्देश्य है
(i) जीवन को सुखी बनाना
(ii) गुरुओं का आदेश मानना
(iii) व्यक्ति के जीवन में समय का महत्त्व
(iv) शिक्षा प्राप्त करना

(ग) विद्यार्थी जीवन भर क्यों पछताते रहते हैं ?
(i) क्योंकि वे आलसी होते हैं

(ii) जो अपना कीमती समय मौज मस्ती और आलस्य में खो देते हैं।
(iii) जो ज्ञान प्राप्त नहीं करते।
(iv) जो विद्यार्थी माता-पिता और गुरुओं की आज्ञा का पालन नहीं करते

(घ) संमय के संबंध में व्यक्ति का क्या कर्तव्य बताया गया है?
(i) परिश्रम करें
(ii) मन लगाकर पढ़ाई करें
(iii) बीते समय के बारे में पश्चाताप न करके वर्तमान समय का सदुपयोग करें
(iv) असफल होने पर निराश न हों, पुनः प्रयास करें

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक सुझाइए
(i) समय का सदुपयोग
(ii) समय और मनुष्य
(iii) विद्यार्थी और समय
(iv) अमूल्य समय उत्तर

उत्तर-
(क) (i)
(ख) (iv)
(ग) (ii)
(घ) (iii)
(ङ) (i)

प्रश्नोत्तर

(क) संसार में सबसे मूल्यवान वस्तु क्या है?
उत्तर-
संसार में सबसे मूल्यवान समय है।

(ख) व्यक्ति के बस में क्या नहीं है?
उत्तर-
समय के एक भी क्षण को बढ़ा पाना व्यक्ति के बस में नहीं है।

(ग) किस प्रकार के विद्यार्थी पछताते हैं?
उत्तर-
जो विद्यार्थी अपना समय खेल-कूद, मौज-मस्ती एवं आलस में बिता देते हैं, वे पछताते हैं।

(घ) मनुष्य का क्या कर्तव्य है?
उत्तर-
मनुष्य का कर्तव्य है कि बीते हुए समय पर विचार न करके जो समय अपने पास है उसका सदुपयोग करे।

Atomic Energy Central School-2, Mumbai
Subject- Hindi
Topic- अपठित पद्यांश

Module- 1/1
Madhu Sharma TGT (SS)

'अपठित गद्यांश' के अंतर्गत किसी अपठित अनुच्छेद को पढ़कर उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर देने होते हैं। ध्यान यह रखना होता है कि उत्तर वही दिए जाएँ जो उस अनुच्छेद में दिए गए हों। छात्र को अपनी ओर से नई जानकारी नहीं देनी चाहिए।

- सबसे पहले आपको चाहिए कि आप गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़ें। यदि कुछ शब्द या वाक्य समझ न आए, तो भी घबराने की आवश्यकता नहीं।

- अब आप नीचे दिए गए प्रश्नों को पढ़ें।

- इसके पश्चात् आप प्रश्नों को ध्यान में रखते हुए अनुच्छेद को फिर से पढ़ें। जिन-जिन प्रश्नों के उत्तर मिलते चले जाएँ, उन पर निशान लगाते चले जाएँ तथा उत्तरों को रेखांकित करते चले जाएँ।

- जिन प्रश्नों के उत्तर अस्पष्ट रह गए हों, उन्हें फिर से सावधानीपूर्वक पढ़ें। सोचने पर उनके उत्तर अवश्य मिल जाएँगे। बार-बार पढ़ने से आपकी सारी समस्याएँ हल हो जाएँगी।

शीर्षक का चुनाव- शीर्षक चुनते समय ध्यान रखें-

1. शीर्षक मूल विषय से संबंधित होना चाहिए।
2. शीर्षक संक्षिप्त, आकर्षक तथा सार्थक होना चाहिए।
3. शीर्षक में अनुच्छेद से संबंधित सारी बातें आ जानी चाहिए।
4. शीर्षक का व्याप मूल विषय से अधिक नहीं होना चाहिए।

सावधानी: बहुविकल्पी उत्तरों में कई बार मिलते-जुलते अर्थ वाले विकल्प आ जाते हैं। ऐसी स्थिति में प्रयुक्त शब्द की शक्ति, सीमा और अर्थ-भार पर ध्यान रखना चाहिए। स्वयं से पूछना चाहिए कि क्या दिए गए उत्तर का संबंध पूरे अनुच्छेद से है या उसमें कुछ कमी या अधिकता है। इस प्रकार आप ठीक उत्तर का चुनाव कर सकेंगे।

अपठित काव्यांश भी गद्यांश की भाँति बिना पढ़ा अंश होता है। यह पाठ्यक्रम के बाहर से लिया जाता है। इसके द्वारा छात्रों की काव्य संबंधी समझ का मूल्यांकन किया जाता है। इसके अंतर्गत विषय वस्तु का मूल्यांकन किया जाता है। इसके अंतर्गत विषय वस्तु, अलंकार, भाषिक योग्यता संबंधी समझ की परख की जाती है।
अपठित काव्यांश हल करते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए-

- दिए गए काव्यांश को कम से कम दो-तीन बार अवश्य पढ़ें।
- पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों को रेखांकित कर लें।
- प्रश्नों के उत्तर सरल भाषा में लिखें।
- उत्तर काव्यांश से ही होना चाहिए।

1. बात सभी ने यह है मानी।
हवा सुबह की बड़ी सुहानी।
सदा ताज़गी देती है यह।
आलस को हर लेती है यह ॥
यह रोगी न होने देती।
तनिक न सेहत खोने देती।
सुबह सैर पर जाकर देखो।
हवा निराली पाकर देखो।
अगर सैर पर नित जाओगे।
अच्छी सेहत तुम पाओगे।

प्रश्न

(क) इस कविता में किसका गुणगान किया गया है?
(i) सुबह की ताज़गी भरी हवा का
(ii) सुबह-सुबह योगाभ्यास करने का
(iii) सुबह-सवेरे कसरत करने का
(iv) इन सभी का

(ख) सुबह की हवा के बारे में क्या बताया गया है?
(i) सुबह की हवा ताज़गी देती है।
(ii) यह स्वस्थ रखती है।
(iii) यह अच्छी सेहत देती है।
(iv) उपर्युक्त सभी

(ग) सुबह सैर पर जाने से क्या लाभ मिलेगा?
(i) व्यक्ति धनवान बनेगा ।
(ii) अच्छा स्वास्थ्य मिलेगा
(iii) अच्छे दोस्त बनेंगे
(iv) इनमें कोई नहीं

(घ) इस कविता का सबसे उपयुक्त शीर्षक होगा
(i) सुबह की हवा
(ii) सुबह की सैर
(iii) अच्छी सेहत एक वरदान
(iv) आलस्य दूर भगाने का मंत्र

उत्तर-
(क) (i)
(ख) (iv)
(ग) (ii)
(घ) (ii)